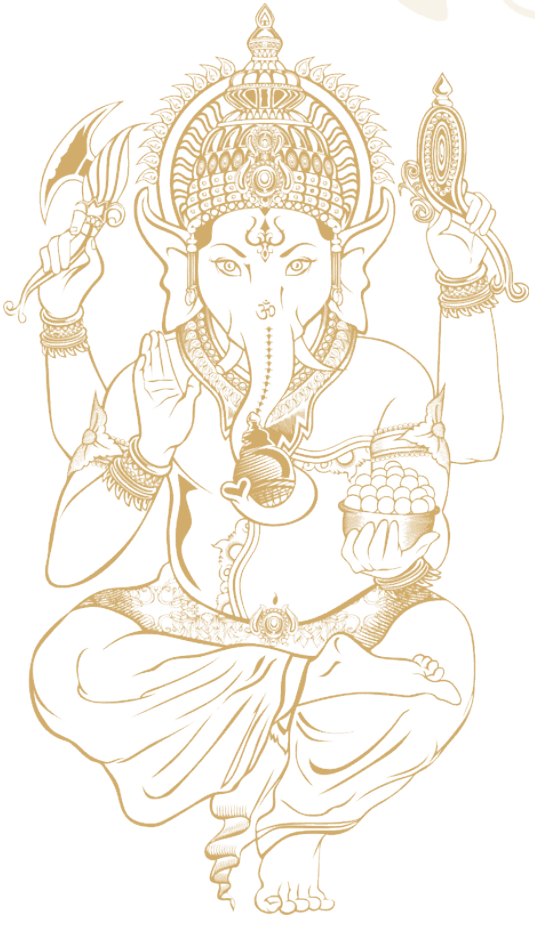

Mr.rahul

Ms. Aarti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120539501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120539501 Date: 13/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/11/1992	जन्म तिथि	03/07/2007
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 16:00:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 24:22:05	जन्म समय(घटी)	36:43:03 घटी
India	देश	India
Fatehpur	स्थान	Fatehpur
25:56:00 उत्तर	अक्षांश	25:56:00 उत्तर
80:55:00 पूर्व	रेखांश	80:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:20	स्थानिक संस्कार	-00:06:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:09	सूर्योदय	05:18:46
17:24:34	सूर्यास्त	19:01:57
23:45:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:57:49

मीन	लग्न	मकर
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	धनिष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	1
शूल	योग	विष्कुम्भ
वणिज	करण	बव
जा-जामवंत	जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	मार्जार

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 2मा 9दि		19:08:12	मीन	लग्न	मक	03:01:23	मंगल 6वर्ष 4मा 18दि	
राहु		15:29:57	तुला	सूर्य	मिथु	17:20:06	राहु	
12/01/2012		05:07:34	मक	चंद्र	मक	24:30:21	20/11/2013	
11/01/2030		29:18:29	मिथु	मंगल	मेष	12:18:08	21/11/2031	
राहु	24/09/2014	09:02:05	वृश्चि	बुध व	मिथु	10:06:39	राहु	02/08/2016
गुरु	16/02/2017	10:42:39	कन्या	गुरु व	वृश्चि	17:42:56	गुरु	27/12/2018
शनि	24/12/2019	21:38:40	वृश्चि	शुक्र	कर्क	29:47:37	शनि	02/11/2021
बुध	13/07/2022	18:17:07	मक	शनि	कर्क	28:37:40	बुध	21/05/2024
केतु	31/07/2023	28:38:17	वृश्चि	राहु व	कुंभ	14:30:19	केतु	09/06/2025
शुक्र	31/07/2026	28:38:17	वृष	केतु व	सिंह	14:30:19	शुक्र	09/06/2028
सूर्य	25/06/2027	20:56:12	धनु	हर्ष व	कुंभ	24:41:22	सूर्य	03/05/2029
चन्द्र	24/12/2028	22:45:04	धनु	नेप व	मक	27:40:28	चन्द्र	02/11/2030
मंगल	11/01/2030	28:33:53	तुला	प्लूटो व	धनु	03:18:36	मंगल	21/11/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:41 चित्रपक्षीय अयनांश 23:57:49

लग्न-चलित

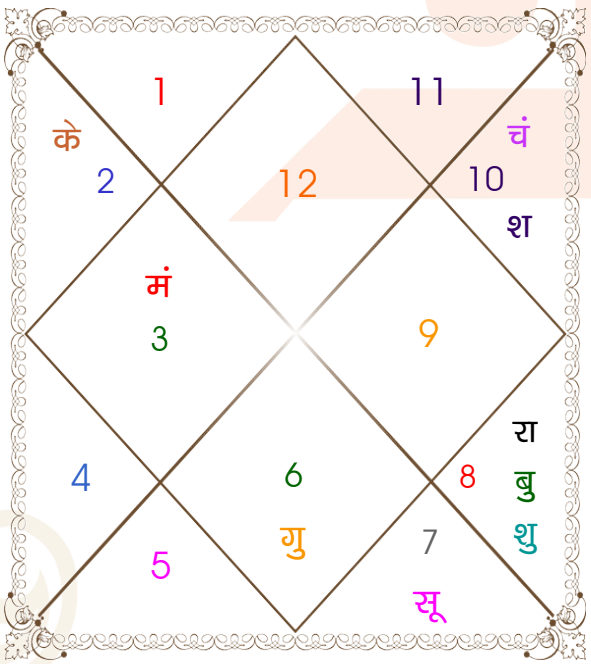

लग्न-चलित

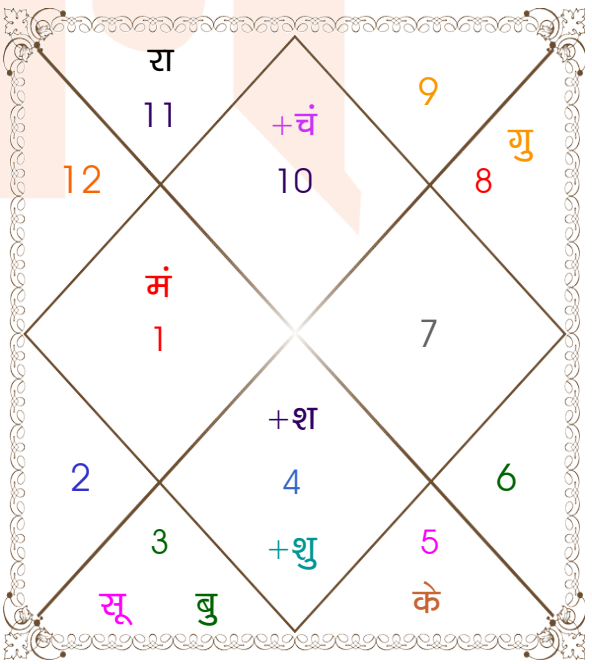

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

कुल : **25.5 / 36**

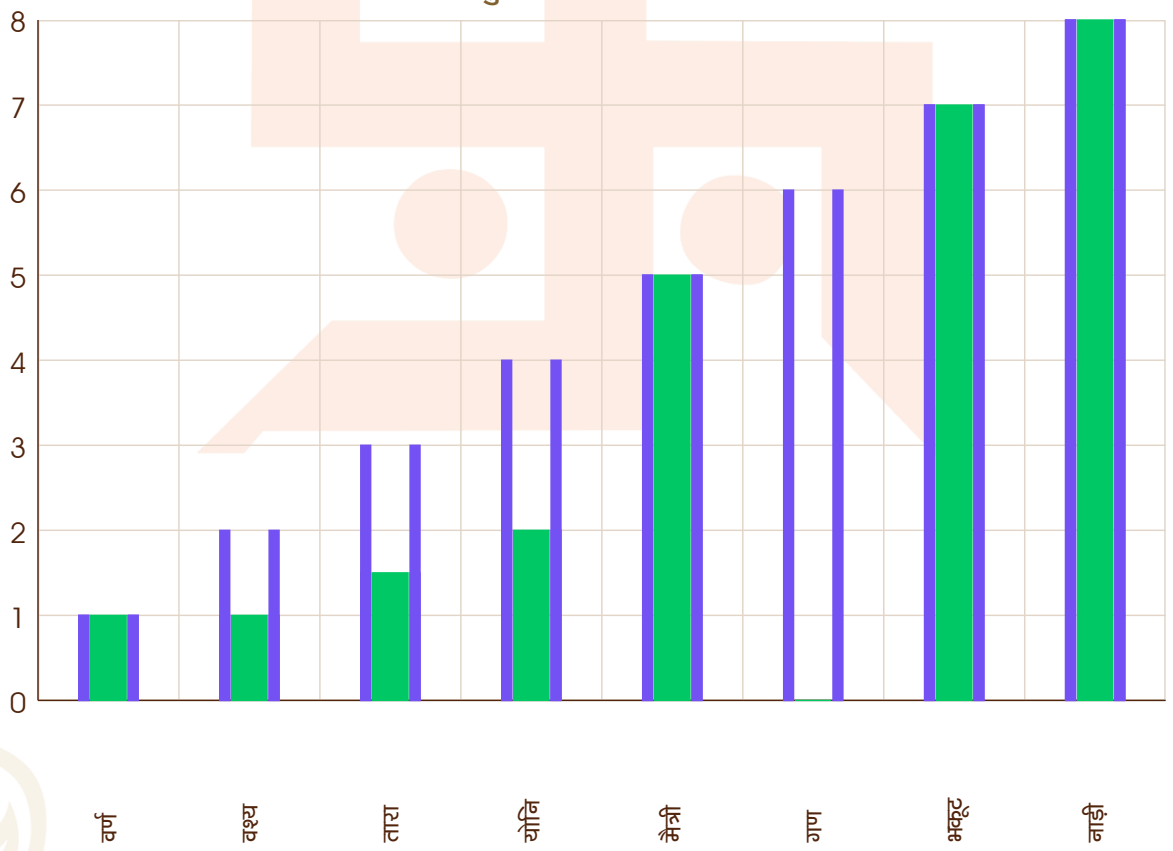

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्तीनस का वर्ग सिंह है तथा Ms. Aarti का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस और Ms. Aarti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. Aarti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Aarti कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Ms. Aarti कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्तीनस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तीनस तथा Ms. Aarti में मंगलीक मिलान ठीक है।

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्तीनस का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Aarti का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण डतण्तीनस और Ms. Aarti दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। डतण्तीनस और Ms. Aarti दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

डतण्तीनस का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms. Aarti का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। डतण्तीनस एवं Ms. Aarti दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में डतण्तीनस एवं Ms. Aarti दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

डतण्तीनस की तारा मित्र तथा Ms. Aarti की तारा विपत है। Ms. Aarti की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान डतण्तीनस एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms. Aarti का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

डतण्तीनस की योनि नकुल है तथा Ms. Aarti की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्तीनस एवं Ms. Aarti दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्तीनस एवं Ms. Aarti दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

डतण्तीनस का गण मनुष्य तथा Ms. Aarti का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms. Aarti का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण डतण्तीनस एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

डतण्तीनस एवं Ms. Aarti दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान डतण्तीनस एवं Ms. Aarti तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

डतण्तीनस की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Aarti की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्तीनस एवं Ms. Aarti की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। अतः राशितत्व में समानता के कारण इनके मध्य स्वभावगत समानता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में अनुकूल रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

डतण्तीनस और Ms. Aarti दोनों की राशि का स्वामी ग्रह शनि है। अतः दोनों के मध्य प्रगाढ़ मित्रता तथा अपनत्व का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। डतण्तीनस और Ms. Aarti दोनों एक दूसरे की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे प्रेम संबंधों में दृढ़ता रहेगी एवं वैवाहिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

डतण्तीनस और Ms. Aarti की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण्तीनस और Ms. Aarti एक दूसरे के प्रतित्याग की भावना रखेंगे तथा सम्मान पूर्वक अस्तित्व को स्वीकार करेंगे एवं व्यक्तिगत मामलों में परस्पर हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अतः दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनंद तथा सुख बना रहेगा तथा आपस में विश्वास सम्मान एवं आत्मीयता का भाव भी रहेगा।

डतण्तीनस का वश्य चतुष्पद एवं Ms. Aarti का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः डतण्तीनस और Ms. Aarti की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

डतण्तीनस एवं Ms. Aarti का वर्ण वैश्य है। अतः धनार्जन के प्रति दोनों की बराबर रूचि रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही समस्त कार्यो को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे।

धन

डतण्तीनस और Ms. Aarti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्तीनस अन्त्य तथा Ms. Aarti का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का डतण्तीनस और Ms. Aarti दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही डतण्तीनस की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए डतण्तीनस और Ms. Aarti को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्तीनस और Ms. Aarti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्तीनस और Ms. Aarti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Aarti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Aarti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Aarti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्तीनस और Ms. Aarti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्तीनस और Ms. Aarti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Aarti के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. Aarti के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. Aarti अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms. Aarti के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

डतण्तीनस के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही डतण्तीनस उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण डतण्तीनस के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।